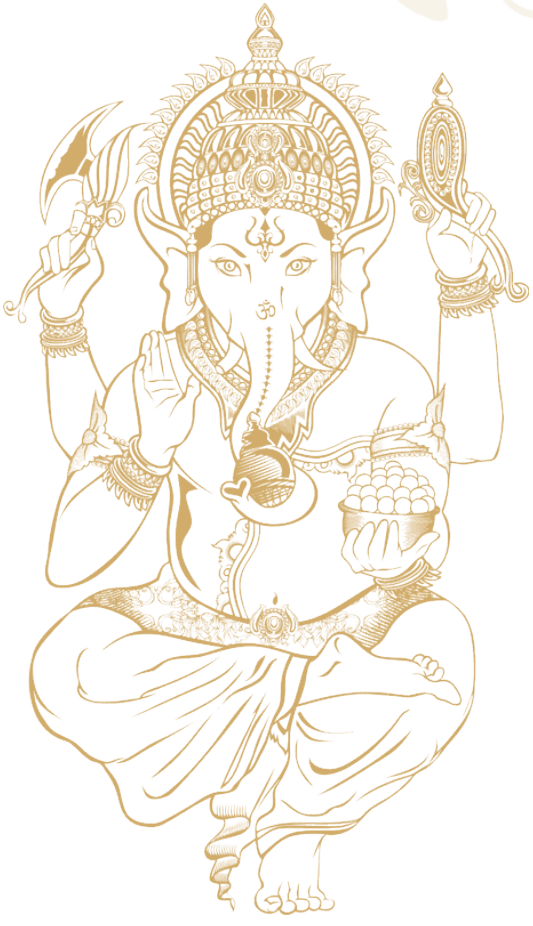

Prem Jat

15 Jun 2016

01:02 AM

Jaisalmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121036004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/06/2016**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:02:00 घंटे**
इष्ट	47:54:18 घटी
स्थान	**Jaisalmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:52:00 उत्तर
रेखांश	70:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:46:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:15:40 घंटे
वेलान्तर	-00:00:20 घंटे
साम्पातिक काल	17:49:46 घंटे
सूर्योदय	05:52:16 घंटे
सूर्यास्त	19:41:06 घंटे
दिनमान	13:48:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:04:03 मिथुन
लग्न के अंश	02:20:28 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	02:20:28	503:40:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			मिथु	00:04:03	00:57:18	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			कन्या	27:09:54	11:48:54	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		वृश्चि	00:32:56	00:12:18	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	स्वराशि
बुध			वृष	08:30:08	01:27:11	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	21:04:17	00:06:02	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मिथु	02:13:23	01:13:43	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	18:11:07	00:04:18	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	22:40:25	00:03:30	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	22:40:25	00:03:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	29:37:15	00:02:03	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	17:57:14	00:00:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
प्लूटो	व		धनु	22:40:31	00:01:20	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			धनु	03:33:58	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:08

लग्न-चलित

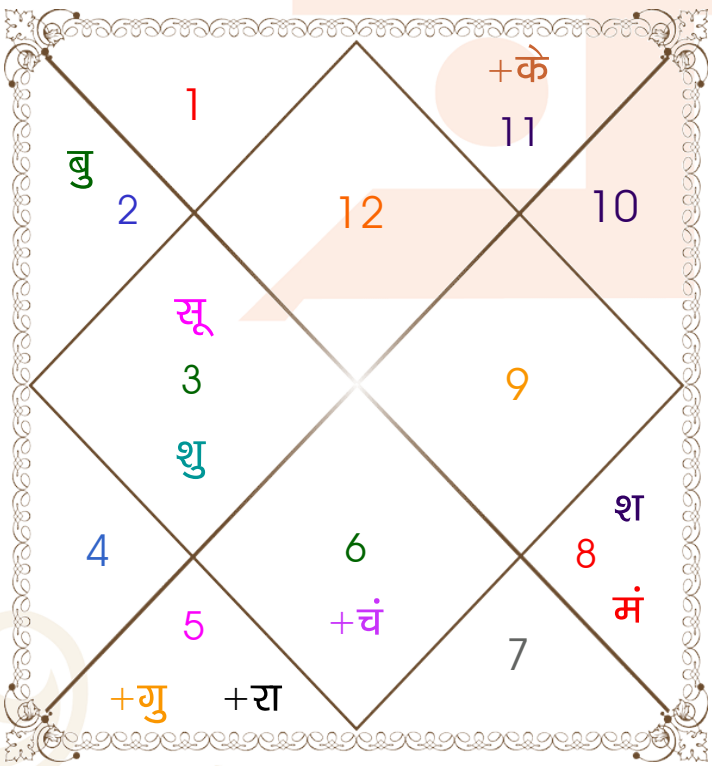

चन्द्र कुंडली

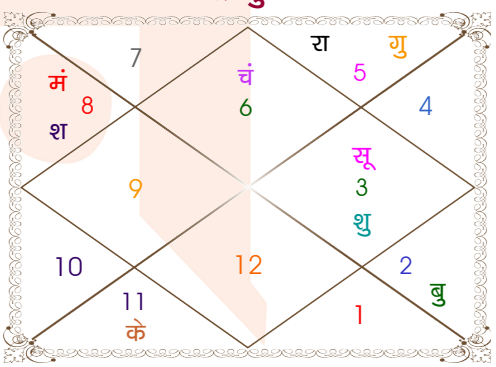

नवमांश कुंडली

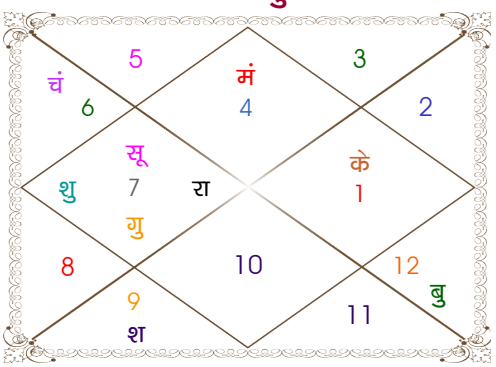

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 11 मास 26 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/06/2016		11/06/2021		11/06/2039		11/06/2055		11/06/2074	
11/06/2021		11/06/2039		11/06/2055		11/06/2074		11/06/2091	
	00/00/0000	राहु	22/02/2024	गुरु	29/07/2041	शनि	14/06/2058	बुध	06/11/2076
	15/06/2016	गुरु	17/07/2026	शनि	10/02/2044	बुध	21/02/2061	केतु	04/11/2077
गुरु	31/10/2016	शनि	23/05/2029	बुध	17/05/2046	केतु	02/04/2062	शुक्र	04/09/2080
शनि	10/12/2017	बुध	11/12/2031	केतु	23/04/2047	शुक्र	01/06/2065	सूर्य	11/07/2081
बुध	07/12/2018	केतु	28/12/2032	शुक्र	22/12/2049	सूर्य	14/05/2066	चंद्र	10/12/2082
केतु	06/05/2019	शुक्र	29/12/2035	सूर्य	11/10/2050	चंद्र	14/12/2067	मंगल	08/12/2083
शुक्र	05/07/2020	सूर्य	22/11/2036	चंद्र	10/02/2052	मंगल	22/01/2069	राहु	26/06/2086
सूर्य	10/11/2020	चंद्र	24/05/2038	मंगल	15/01/2053	राहु	29/11/2071	गुरु	01/10/2088
चंद्र	11/06/2021	मंगल	11/06/2039	राहु	11/06/2055	गुरु	11/06/2074	शनि	11/06/2091

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/06/2091		11/06/2098		12/06/2118		11/06/2124		12/06/2134	
11/06/2098		12/06/2118		11/06/2124		12/06/2134		00/00/0000	
केतु	07/11/2091	शुक्र	11/10/2101	सूर्य	29/09/2118	चंद्र	12/04/2125	मंगल	08/11/2134
शुक्र	06/01/2093	सूर्य	12/10/2102	चंद्र	31/03/2119	मंगल	11/11/2125	राहु	26/11/2135
सूर्य	14/05/2093	चंद्र	11/06/2104	मंगल	06/08/2119	राहु	13/05/2127	गुरु	16/06/2136
चंद्र	13/12/2093	मंगल	11/08/2105	राहु	30/06/2120	गुरु	11/09/2128		00/00/0000
मंगल	11/05/2094	राहु	11/08/2108	गुरु	18/04/2121	शनि	12/04/2130		00/00/0000
राहु	30/05/2095	गुरु	12/04/2111	शनि	31/03/2122	बुध	11/09/2131		00/00/0000
गुरु	05/05/2096	शनि	12/06/2114	बुध	04/02/2123	केतु	11/04/2132		00/00/0000
शनि	14/06/2097	बुध	12/04/2117	केतु	12/06/2123	शुक्र	11/12/2133		00/00/0000
बुध	11/06/2098	केतु	12/06/2118	शुक्र	11/06/2124	सूर्य	12/06/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 11 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।